>

Title: Need to remove certain impediments which deprive the fishermen from Maharashtra from availing the subsidy on high speed diesel under the Central Government Development of Marine Fisheries Infrastructure and Post Harvest Operation.

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): अध्यक्ष महोदया, बहुत-बहुत शुक्रिया कि आपने मुझे बोलने की परमीशन दी।

मैं महाराष्ट्र के लगभग 4.5 लाख मछुआरों के प्रश्न के ऊपर यहां पर खड़ा हूं। उनकी रोजी-रोटी और उनकी आजीविका से जुड़ा हुआ यह विषय है। भारत सरकार की एक नीति के हिसाब से जो मछुआरे मछली मारने के लिए बोट का इस्तेमाल करते हैं, उनको हाई स्पीड डीजल के ऊपर एक प्रकार की सब्सिडी दी जाती है और यह सब्सिडी देते समय एक ऐसी शर्त रखी गई है कि 500 लीटर से ज्यादा उसका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। इसमें दूसरा जो सबसे दोषपूर्ण आधार है, उसमें यह बताया गया है कि जो बी.पी.एल. के तहत रहने वाले मछुआरे हैं, उन्हीं को सब्सिडी दी जायेगी। मुझे यह समझ में नहीं आता कि इस क्राइटीरिया का क्या अर्थ है, क्योंकि बी.पी.एल. तो जो गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले लोग होते हैं, उनके लिए जो क्राइटीरिया हमारे देश में है, उसमें जिनके घर में टेलीविज़न होता है, वे भी बी.पी.एल. नहीं हो सकते। जिन मछुआरों के पास अपनी बोट है, जो अपनी बोट चलाता हो और उसके जरिये मछली मारता हो, वह बी.पी.एल. में कभी आ ही नहीं सकता, इसलिए पिछले 2-3 वर्षों से जो स्कीम लागू है, उसके हिसाब से देखा जाये तो पूरे देश में सिर्फ तीन करोड़ रुपये खर्च हुए। एक पर्टिकुलर साल की बात है, 2008-09 में सिर्फ तीन करोड़ रुपये खर्च हुए और 1761 मछुआरों को इसका लाभ मिला तो कहीं न कहीं इस गाइडलाइन में शिथिलता लाने की आवश्यकता है, संशोधन लाने की आवश्यकता है। एक सर्व-सामान्य गरीब जो हमारा मछुआरा समाज है, उनके लिए यह व्यवस्था होनी चाहिए।

मैं भारत सरकार से यह मांग करता हूं, विशेषकर हमारे कृषि मंत्री शरद पवार जी से, जो स्वयं महाराष्ट्र के हैं, लेकिन यह सिर्फ महाराष्ट्र के मछुआरों का सवाल ही नहीं है, पूरे देश के मछुआरों का सवाल है, मैं उनसे मांग करता हूं कि यह जो व्यवस्था है, उस व्यवस्था में संशोधन लाकर, सर्व-सामान्य जो गरीब मछुआरे हैं, उनके लिए बोट के इस्तेमाल पर जो डीजल की आपूर्ति होती है, उसके ऊपर पर्याप्त सब्सिडी देने की व्यवस्था की जाये।

MADAM SPEAKER: Shrimati Botcha Jhansi Lakshmi is also associating.